अध्याय - 4 | विदाई - संभाषण - बालमुकुंद गुप्त

QUIZ-01

1. 'विदाई – संभाषण' पाठ के लेखक कौन हैं?
   A. मन्नू भंडारी
   B. जवाहरलाल नेहरु
   C. बाल मुकुंद गुप्त
   D. शेखर जोशी (C)

व्याख्या : 'विदाई – संभाषण' के लेखक बाल मुकुंद गुप्त हैं, जो हिंदी के प्रसिद्ध निबंधकार थे।

2. 'विदाई – संभाषण' बालमुकुन्द गुप्त की किस कृति का अंश है?
   A. चिट्ठे और संभाषण
   B. खेल तमाशा
   C. शिवशंभु के चिट्ठे
   D. चिट्ठे और खत (C)

व्याख्या : यह निबंध 'शिवशंभु के चिट्ठे' नामक व्यंग्यात्मक कृति से लिया गया है।

3. 'विदाई – संभाषण' पाठ में लार्ड कर्जन किस पद पर थे?
   A. गवर्नर जनरल
   B. वायसराय
   C. सुपरिटेंडेंट
   D. महारानी (B)

व्याख्या : इस पाठ में लार्ड कर्जन ब्रिटिश भारत के वायसराय थे।

4. 'नेपोलियन ऑफ परशिया' के नाम से किसे जाना जाता है?
   A. अहमदशाह
   B. नादिरशाह
   C. नसीरुद्दीन शाह
   D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या : नादिरशाह को 'नेपोलियन ऑफ परशिया' कहा गया है।

5. 'दुर्बल गाय बलशाली गाय के चले जाने से प्रसन्न नहीं हुई' – यहाँ दुर्बल गाय से आशय किससे है?
   A. इंग्लैंड की जनता
   B. भारतीय जनता
   C. सम्राट एडवर्ड
   D. लार्ड कर्जन (B)

व्याख्या : इस कथन में भारतीय जनता को दुर्बल गाय के रूप में संदर्भित किया गया है।

6. माई लॉर्ड से विदाई के समय लेखक कैसा संभाषण चाहता है?
   A. क्रूरतापूर्ण
   B. सक्रियतापूर्
   C. उदारतापूर्ण
   D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या : लेखक चाहता है कि विदाई संभाषण उदारतापूर्ण हो।

7. 'विदाई – संभाषण' में वायसराय कर्जन को किससे अधिक दमनकारी बताया गया है?
   A. नादिरशाह
   B. जार
   C. कैसर
   D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : कर्जन की तुलना नादिरशाह, जार और कैसर से कर उन्हें अधिक दमनकारी बताया गया है।

8. "आपके और यहाँ के निवासियों के बीच कोई तीसरी शक्ति भी है।" - 'तीसरी शक्ति' से आशय क्या है?
   A. महाशक्ति
   B. ईश्वर
   C. ब्रिटेन की महारानी
   D. इनमें सभी (B)

व्याख्या : 'तीसरी शक्ति' से लेखक का संकेत ईश्वर की ओर है।

9. विदाई के समय बैर-भाव छूटकर किस रस का उद्भव होता है?
   A. शांत रस
   B. करुण रस
   C. श्रृंगार रस
   D. वीर रस (B)

व्याख्या : लेखक के अनुसार विदाई के समय करुण रस का प्रकट होना स्वाभाविक है।

10. 'विदाई – संभाषण' निबंध की शैली क्या है?
    A. व्यंग्यात्मक
    B. विश्लेषणात्मक
    C. तथ्यात्मक
    D. विवेचनात्मक (A)

व्याख्या : यह निबंध व्यंग्यात्मक शैली में लिखा गया है, जो आलोचना और कटाक्ष से भरा है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES